

---

.. bhagavatIkavacham ..

॥ भगवतीकवचम् ॥

Document Information



---

Text title : bhagavatikavacham  
File name : bhagavatikavacham.itx  
Category : kavacha  
Location : doc\_devii  
Author : Traditional  
Language : Sanskrit  
Subject : philosophy/hinduism/religion  
Transliterated by : Nat Natarajan nat.natarajan at gmail.com  
Proofread by : Nat Natarajan nat.natarajan at gmail.com, NA  
Description-comments : Shribrihatkavachasangraha  
Source : agnipurANA  
Latest update : December 21, 2015  
Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com  
Site access : <http://sanskritdocuments.org>

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

---


Please help to maintain respect for volunteer spirit.

---

August 2, 2016

*sanskritdocuments.org*

---



## ॥ भगवतीकवचम् ॥

अथ भगवती कवचम् ।

ॐ नमो भगवति वज्रशृङ्खले हन हन  
ॐ भक्ष भक्ष ॐ अरे रक्तं पिब कपालेन रक्ताक्षि रक्तपटे  
भस्माङ्गि भस्मलिप्तशरीरे वज्रायुधे वज्रप्राकारनिचिते  
ॐ पूर्वा दिशं बन्ध बन्ध ॐ दक्षिणां दिशं बन्ध बन्ध  
ॐ पश्चिमां दिशं बन्ध बन्ध ॐ उत्तरां दिशं बन्ध बन्ध  
ॐ नागान् बन्ध बन्ध नागपत्नीर्बन्ध बन्ध ॐ असुरान् बन्ध बन्ध  
ॐ यक्षराक्षसपिशाचान् बन्ध बन्ध प्रेतभूतगन्धर्वादि ये  
केचिदुपद्रवास्तेभ्यो रक्ष रक्ष ॐ ऊर्ध्वं रक्ष रक्ष अधो रक्ष रक्ष  
क्षुरिकं बन्ध बन्ध ॐ ज्वलमहाबले घटि घटि ॐ मोटि मोटि  
सटावलि वज्राङ्गि वज्रप्राकारे हुँ फट् हीं ह्रूं श्रीं फट् हीं हः फ्रूं  
फ्रें फ्रः सर्वग्रहेभ्यः सर्वव्याधिभ्यः सर्वदुष्टोपद्रवेभ्यः हीं  
आमीवेभ्यो रक्ष रक्ष ग्रहभूत ज्वरादिषु सर्वकर्मषु योजयेत् ॥  
इत्याग्नेयं भगवतीकवचं सम्पूर्णम् ॥

Encoded and proofread by Nat Natarajan nat.natarajan at  
gmail.com

---

.. bhagavatIkavacham ..

was typeset on August 2, 2016

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

